रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

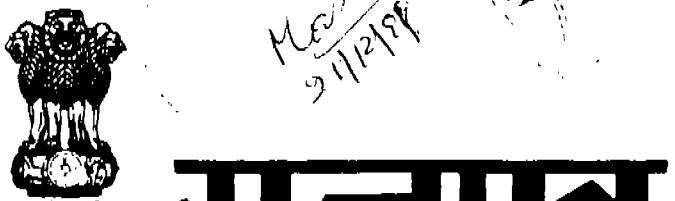

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 484] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 29, 1999/आश्विन 7, 1921
No. 484] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 29, 1999/ASVINA 7, 1921

संचार मंत्रालय
(दूर संचार विभाग)
शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1999

सा. का. नि. 678 (अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (i) तारीख 15 मार्च, 1999 में प्रकाशित, भारत सरकार के संचार मंत्रालय (दूर संचार विभाग) की अधिसूचना संख्यांक सा. का. नि. 209 (अ) तारीख 15 मार्च, 1999, के पृष्ठ 2 पर, "गुरदीप सिंह, संयुक्त सचिव" के पश्चात् निम्नलिखित पढ़ा जाए, अर्थात्

[फा. सं. 1-1/94-टी सी ओ (खंड X,) पी. टी.]

अनिल कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण :—मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, तारीख 2 दिसम्बर, 1997 में अधिसूचना संख्यांक सा. का. नि. 683 (अ) तारीख 1 दिसम्बर, 1997 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
(Department of Telecommunications)
CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th September, 1999

G.S.R. 678 (E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Communications (Department of Telecommunications) number G.S.R. 209 (E), dated the 15th March, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part (II), Section 3, Sub-section (i), dated the 15th March, 1999 at pages 1 to 4, at page 4, after "GURDIP SINGH, Joint Secretary", read the following namely :—

[F. No. 1-1/94-TCO (Vol. X) (Pt.)]

ANIL KUMAR, Jt. Secy.

Note.—The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary dated the 2nd December, 1997 vide notification number G.S.R. 683 (E), dated the 1st December, 1997.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054